अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व विद्या–50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 15

(क) शीत व स्निग्ध स्पर्श की बहुलता से कौन सा स्पर्श बनता है?

(ख) क्रिया का अर्थ लिखें।

(ग) 'तीर्थसेवा' शब्द का क्या तात्पर्य है?

(घ) वक्र गति किसे कहते हैं?

(ङ) गणधरों द्वारा संकलित अर्हत वाणी को क्या कहते हैं?

(च) देवों तथा नारकी के उत्पत्ति स्थल को क्या कहते हैं?

(छ) दुरात्मा, महात्मा व परमात्मा कौन से भाव हैं?

(ज) अनंग प्रविष्ट सूत्र किसे कहते हैं?

(झ) अभिग्रह किसे कहते हैं?

(ञ) आठवें गुणस्थान का दूसरा नाम लिखें।

(ट) अनित्थस्थ संस्थान का अर्थ लिखें?

(ठ) स्वाध्याय किसे कहते हैं?

(ड) हरीतकी के रस का स्वाद कैसा होता है?

(ढ) शुक्ल ध्यान का अर्थ लिखें।

(ण) वीर्य किसका गुण है?

(त) ओघ संज्ञा किसे कहते हैं?

(थ) किन गुणस्थान में जीव की मृत्यु नहीं होती?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) सम्यक्त्व संवर व व्रत संवर की व्याख्या करें।

(ख) केवली समुदघात के विषय का वर्णन करें।

(ग) अप्रत्याख्यान चतुष्क व प्रत्याख्यान चतुष्क की व्याख्या करें।

(घ) त्रस, स्थावर जीवों के विषय में वर्णन करें।

(ङ) सामान्य गुण के छह प्रकारों का वर्णन करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) उत्पाद, व्यय, ध्रौव्य की इस त्रिपदी की विस्तार से व्याख्या करें।

(ख) व्यवहार के पांच प्रकार आगम, श्रुत आदि प्रकारों की विस्तृत विवेचना करें।

(ग) कषाय से होने वाले अभिघातों का विस्तृत वर्णन करें।

(घ) संसारी जीव के दो-दो प्रकारों में से व्यवहार राशिव व अव्यवहार राशि की विस्तृत व्याख्या करें।

तत्त्व चर्चा–30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दें– 10

(क) पुण्य और धर्म एक या दो?

(ख) दया छह में कौन? नौ में कौन?

(ग) तीन गुप्ति छह में कौन? नौ में कौन?

(घ) साधु को सदोष आहार पानी देना व्रत में या अव्रत में? तथा उससे क्या होता है?

(ङ) अधर्म और अधर्मास्तिकाय एक या दो?

(च) पुद्गलास्तिकाय छह में कौन? नौ में कौन?

(छ) बंध छह में कौन? नौ में कौन?

(ज) काल आदि अंतिम तीन द्रव्य एक या अनेक?

(झ) कर्म और कर्म का कर्त्ता एक या दो?

(ञ) कर्मों को बांधने वाला छह में कौन? नौ में कौन?

(ट) जीवास्तिकाय छह में कौन? नौ में कौन?

(ठ) पुदगलास्तिकाय रूपी या अरूपी?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्त्व।

(ख) नौ तत्त्व पर रूपी-अरूपी।

(ग) छह द्रव्य पर चर्चा।

(घ) सामायिक पर चर्चा।

(ङ) नौ तत्त्व पर आज्ञा-अनाज्ञा।

(च) विविध चर्चा (प्रारंभ से लिखते हुए अधर्म और धमास्ति) तक लिखें।

गीतिका–20

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) भगवान महावीर के दो श्रावकों के नाम लिखें।

(ख) .....आने से.....और श्रावक का धर्म प्रकट होता है .....रूपी स्त्री का वरण शीघ्र होता है। उसके.....ही कर्म टूट जाते हैं।

(ग) भगवान ने.....में.....को दुर्लभ बताया है।

(घ) .....को सही समझ लेने पर.....ही प्रकार का.....छूट जाता है। इस प्रकार सम्यक्त्व की प्राप्ति होती है, यह सूत्र की बात है।

(ङ) सब पुरुष..... नहीं होते हैं। सब.....नहीं होते। सभी स्त्रियां.....नहीं होती है। .....व्यक्ति ही गुणों के भंडार होते हैं।

(च) सावद्य या निरवद्य कार्यों से क्या होता है?

प्र. 7 कोई तीन पद्य अर्थ सहित पूर्ण करें– 15

(क) करण जोग.....रे।

(ख) आश्रव नाला.....रे।

(ग) समकित बिन.....लिगार।

(घ) हाड.....अवतार।

(ङ) दानशील.....लिगार।